दक्षिण गुजरात में गन्ने की फसल में रोग लगना

1956. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दक्षिण गुजरात में गत वर्ष गन्ने की फसल में रोग लग गया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) दक्षिण गुजरात के किसानों को राहत तथा अन्य सहायता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा क्या-क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र): (क) जी, हां,।

(ख) 1995-96 में दक्षिणी गुजरात में गन्ने की फसल "विल्ट" तथा "रैड रॉट" रोगों से प्रभावित हुई थी। गन्ने की फसल के अन्तर्गत कुल 90,953 हैक्टेयर क्षेत्र में से 11,615 हैक्टेयर क्षेत्र इन रोगों से प्रभावित हुआ था।

(ग) इन क्षेत्रों की समस्याओं का सामना करने के लिए किसानों को शिक्षित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:;

1. स्वस्थ बीज नर्सरियों से स्वस्थ बीज का उपयोग करना;

2. फंगीसाइड से उपचारित बीज का प्रयोग करना।

3. चीनी मिलों द्वारा दिए गए नम गर्म हवा से उपचारित बीजों का प्रयोग करना ।

4. "विल्ट" प्रतिरोधी किस्मों को उगाना

5. चावल तथा हरी खाद वाली फसलों के क्रम को अपनाना ।

6. पेड़ी लगाने से बचना यदि रोग रोपाई वाली फसलों में पाया जाता हो ।

7. रोग को प्रारम्भिक अवस्था में ही प्रभावित पौधों को हटाना ।

8. गन्ने के खेतों में नालियों की समुचित व्यवस्था करना।

राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से राज्य कृषि विभाग द्वारा विस्तार कार्यकर्ताओं और किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और गन्ने के रोगों को कम करने के लिए किसानों को शिक्षित करने के लिए साहित्य वितरित किया गया है। इसके अलावा रोग की समस्या का सामना करने के लिए प्रशिक्षण, हॉट ट्रीटमैन्ट यूनिटों, टिशू कल्चर, बीज बहुलीकरण कार्यक्रम आदि को सुदृढ़ बनाने के लिए सहायता भी दी गई है ।

Admissions in .Kendriya and Navodaya Vidyalayas

1957. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) Wether Government are aware that the demand for admissions of students to the Navodaya Vidyalayas is less than that in the Kendriya Vidyalayas;

(b) if so, the reasons therefor and how admissions are done in the two Vidyalayas; and

(c) the details of the administrative working of the two Vidyalayas?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) No comparative study has been undertaken by the Government on the demand for admission of students to Navodays Vidyalayas and Kendriya Vidalayas. Admissions to Navodaya Vidyalayas are done at class VI level through a test conducted by National Council of Educational Research & Training. In Kendriya Vidyalayas, there is no admission test at class I level. For admission to other classes, there is a tast conducted at Kendriya Vidyalaya level. While Navodaya Vidyalayas are residential, co-educational and meant for talented children of rural areas, Kendriya Vidyalayas cater mainly to the children of transferable Central Government employees. Both Kendriya Vidyalaya Sangathan and Navodaya Vidyalaya Samiti have their Headquarters at Delhi and Regional Offices in various parts of the country through which the functioning of the Vidayalayas is supervised.